Issue 26 - February / फरवरी - 2025

कृषक सारथी

Monthly Newsletter of
KRISHAK BHARATI COOPERATIVE LIMITED

2025 International Year of Cooperatives

Cooperatives Build a Better World

Celebrating the International Year of Cooperatives 2025

For Internal Circulation only

Message from the **DIRECTOR (MARKETING)**

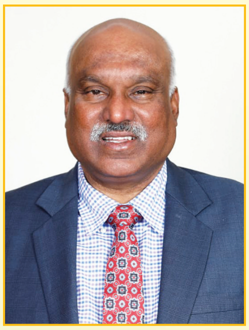

Dear Cooperators,

We are delighted to bring you another insightful edition of Krishak Saarathi, highlighting key developments in the cooperative sector and KRIBHCO's latest initiatives.

This edition covers the first meeting of the Parliamentary Consultative Committee of the Ministry of Cooperation, chaired by Hon'ble Union Home & Cooperation Minister Shri Amit Shah. The discussions focused on empowering cooperative societies, strengthening PACS, the establishment of the Tribhuvan Cooperative University, and the expansion of cooperative institutions to drive economic growth under the vision of 'Sahkar se Samriddhi'.

This edition highlights KRIBHCO's recent activities, including a courtesy meeting between KRIBHCO officials and the Hon'ble Minister for Agriculture Education and Research of U.P. Shri Surya Pratap Shahi, the enthusiastic celebration of the 76th Republic Day, and KRIBHCO's participation in the Mahakumbh. These events reflect KRIBHCO's continued commitment to cooperative values and farmer welfare.

Additionally, a major milestone for KRIBHCO is its Joint Venture Agreement (JVA) with Netherlands-based Farm Frites to establish a hi-tech potato processing unit in Shahjahanpur, Uttar Pradesh. This collaboration will introduce advanced potato varieties, support farmers with quality seeds and technical guidance, and create significant employment opportunities, boosting the local agro-industrial ecosystem.

We hope this edition provides valuable insights into the latest advancements in the cooperative sector and KRIBHCO's ongoing efforts. We look forward to your feedback and continued support as we work together for the sustainable growth of the cooperative movement.

V. S. R. Prasad
Director (Marketing), KRIBHCO

EDITOR'S DESK

Dear Readers,

Welcome to this edition of Krishak Saarathi, where we bring you the latest developments in the cooperative and agricultural sectors.

This edition provides essential farming tips to help farmers prepare for the upcoming season. With the changing weather, timely crop management, irrigation planning, and pest control measures are crucial for a successful harvest. Our Krishi Kary initiative offers expert guidance on best practices to enhance productivity and soil health.

Thank you for your continued support. We look forward to your valuable feedback and participation in this journey of growth and cooperation.

Dr. Vinod Kumar Tiwari
Jt. GM (Marketing & PR) KRIBHCO

Editorial Board

Sh. V. S. R. Prasad, Director (Mktg)
Chairman

Dr. V. K. Tiwari, Jt. GM (Mktg & PR)
Chief Editor

Sh. Sharvan Kumar, DGM (Mktg)
Member (FAS)

Sh. Devisht Agarwal, DM (MS)
Member IT and Technical

Sh. Guruprasad Hiremath, DM (Mktg)
Editing, Design and Circulation

Sh. Mohit, DM (Mktg)
Member-Industry updates

Sh. Manoj Reddy, AM (Mktg)
Member-Cooperative

सहकारिता मंत्रालय की संसदीय परामर्शदात्री समिति की पहली बैठक सम्पन्न

नई दिल्ली में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में सहकारिता मंत्रालय की संसदीय परामर्शदात्री समिति की पहली बैठक आयोजित की गई। बैठक में केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल, श्री मुरलीधर मोहोल, समिति के सदस्य, केंद्रीय सहकारिता सचिव और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इस बैठक में सहकारी समितियों को सशक्त बनाने के लिए अब तक उठाए गए कदमों और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

'सहकार से समृद्धि' की दिशा में मजबूत कदम

बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने किसानों और ग्रामीण क्षेत्र के विकास के लिए सहकारिता मंत्रालय का गठन कर 'सहकार से समृद्धि' का मंत्र दिया। उन्होंने बताया कि सहकारिता के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाया जा सकता है और रोजगार के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं।

PACS के सशक्तिकरण पर जोर

श्री अमित शाह ने कहा कि सहकारी आंदोलन को फिर से मजबूत करने के लिए प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (PACS) का व्यापक डेटाबेस तैयार किया गया है और दो लाख (PACS) के पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू की गई है। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस विकसित किया जा चुका है, जिससे देशभर की सहकारी समितियों की क्षेत्रवार जानकारी आसानी से उपलब्ध होगी।

PACS को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए उनके कंप्यूटरीकरण की प्रक्रिया तेज कर दी गई है, जिससे हर पंचायत में (PACS) की सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। PACS को व्यावसायिक रूप से सक्षम बनाने के लिए कई नए बायलॉज अपनाए गए हैं और अब उन्हें 20 से अधिक गतिविधियों, जैसे कॉमन सर्विस सेंटर और जन औषधि केंद्र से जोड़ा गया है। जल्द ही PACS के माध्यम से एयरलाइंस टिकटों की बुकिंग की सुविधा भी शुरू की जाएगी।

त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय का गठन

श्री शाह ने जानकारी दी कि सहकारिता मंत्रालय ने मौजूदा बजट सत्र में त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय के गठन के लिए विधेयक प्रस्तुत किया है, जो जल्द ही संसद से पारित होने की संभावना है। इस विश्वविद्यालय के माध्यम से सहकारी क्षेत्र से जुड़े पेशेवरों को तकनीकी शिक्षा, एकाउंटिंग, और प्रशासन संबंधी प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे इस क्षेत्र में कुशल मानव संसाधन उपलब्ध हो सके।

राष्ट्रीय स्तर पर सहकारी संस्थाओं का विस्तार

राष्ट्रीय स्तर पर सहकारी निर्यात को बढ़ावा देने के लिए राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड (NCEL), राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक लिमिटेड (NCOL), और भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (BBSSL) की स्थापना की गई है। इन संस्थाओं के माध्यम से सहकारी उत्पादों, ऑर्गेनिक खेती और उन्नत बीजों का प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

कोऑपरेटिव सेक्टर को कॉर्पोरेट के समान अवसर

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि सहकारिता मंत्रालय, वित्त मंत्रालय, रिजर्व बैंक और आयकर विभाग के साथ मिलकर कोऑपरेटिव सेक्टर और कॉर्पोरेट सेक्टर के लिए समान टैक्स संरचना बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। सरकार का प्रयास है कि कोऑपरेटिव सेक्टर को भी वही अवसर और सुविधाएं प्राप्त हों, जो कॉर्पोरेट सेक्टर को मिलती हैं।

सहकारी संगठनों के विकास के लिए रोडमैप

श्री अमित शाह ने बताया कि कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड (KRIBHCO), इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोऑपरेटिव लिमिटेड (IFFCO), राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (NDDB) और अन्य सहकारी फेडरेशनों के सहयोग से सहकारी संगठनों के विकास के लिए एक रोडमैप तैयार किया जा रहा है।

संतुलित क्षेत्रीय विकास पर विशेष ध्यान

सहकारिता क्षेत्र के असमान विकास को दूर करने के लिए सरकार विशेष कदम उठा रही है, जिससे सभी राज्यों में संतुलित विकास सुनिश्चित हो सके। गुजरात में सफल रही 'सहकारिता में सहकार' (Cooperation Amongst Cooperatives) की पहल को अब अन्य राज्यों में भी लागू किया जाएगा।

बैठक के दौरान समिति के सदस्यों ने सहकारी समितियों के सशक्तिकरण से संबंधित अपने सुझाव प्रस्तुत किए और सरकार द्वारा सहकारिता आंदोलन को सुदृढ़ करने के लिए उठाए गए महत्वपूर्ण कदमों की सराहना की।

KRIBHCO Activities

कृभको अधिकारियों की माननीय कृषि मंत्री, उत्तरप्रदेश से भेंट

कृभको, उत्तर प्रदेश के उप महाप्रबंधक श्री वी.के. सिंह एवं क्षेत्रीय प्रबंधक (प्रभारी), कृभको, गोरखपुर, श्री विवेक सिंह ने माननीय कृषि मंत्री, उत्तरप्रदेश, श्री सूर्यप्रताप शाही जी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान, कृभको द्वारा की जा रही उर्वरक आपूर्ति एवं किसानों के समग्र विकास हेतु किए जा रहे प्रयासों पर विस्तृत चर्चा की गई।

KRIBHCO Celebrates 76th Republic Day with Enthusiasm

On 26th January 2025, KRIBHCO celebrated the 76th Republic Day with great enthusiasm at KRIBHCO Bhawan, Noida. Shri M. R. Sharma, Managing Director, KRIBHCO, hoisted the national flag in the presence of all Directors, senior officials, and employees, honoring the spirit of unity and national pride.

KRIBHCO Participates in Mahakumbh

KRIBHCO participated in the Mahakumbh event, where it set up a stall to engage with attendees and provide valuable information about its products and services. Visitors had the opportunity to learn more about KRIBHCO's offerings and how they contribute to improving agricultural practices across India.

Our stall warmly welcomed all devotees, providing valuable information on sustainable farming and KRIBHCO's commitment to agricultural growth.

This event provided KRIBHCO with an excellent opportunity to connect with the agricultural community and reinforce its commitment to sustainable farming practices.

KRIBHCO and Farm Frites Join Hands for a Hi-Tech Potato Processing Unit in Shahjahanpur, UP

Krishak Bharati Cooperative Ltd (KRIBHCO) has taken a significant step towards agricultural innovation and farmer prosperity by entering into a Joint Venture Agreement (JVA) with Farm Frites, a renowned Netherlands-based company. The agreement was signed on 12th February 2025 at KRIBHCO Bhawan, Noida, to establish a state-of-the-art, hi-tech potato processing unit in Shahjahanpur, Uttar Pradesh.

On behalf of KRIBHCO, the JVA was signed by Managing Director Shri. M. R. Sharma, while Chairman Mr. Pieter de Bruijne represented Farm Frites. The signing ceremony was graced by Dr. Chandrapal Singh Yadav, Chairman of KRIBHCO, along with other Directors and dignitaries.

This collaboration aims to introduce special potato varieties such as Santana and Quintera, sourced from the Netherlands, to be cultivated across large areas in Shahjahanpur. A dedicated team from both KRIBHCO and Farm Frites will supply high-quality seeds and extend technical guidance to farmers, ensuring successful cultivation and enhanced productivity.

The upcoming potato processing plant will play a crucial role in boosting farmers' income in Shahjahanpur and neighboring regions. Furthermore, the initiative is expected to generate hundreds of employment opportunities, contributing significantly to the local economy. Under Uttar Pradesh's industrial policy, this ambitious venture has been recognized as a Super Mega Project, further highlighting its potential impact on the region's agro-industrial landscape.

KRIBHCO remains committed to empowering farmers with modern agricultural solutions and fostering sustainable rural development through such strategic collaborations.

मार्च माह के मुख्य कृषि कार्य

गेहूं

- सिंचाई हल्की मृदा में 6 से.मी. और दोमट में 8 से.मी. गहरी करें।
- भूरा रतुआ रोग के लिए 0.1% प्रोपीकोनाजोल (टिल्ट) का छिड़काव करें।

मक्का

- शीघ्र पकने वाली प्रजातियाँ लगाएँ: पी.एम.एच.-7, 8, 10, कंचन, विजय, आदि।
- फरवरी अंत से मध्य मार्च तक बुआई करें।
- बीज उपचार: 1 कि.ग्रा. बीज को 2.5 ग्राम थीरम/कार्बेन्डाजिम से शोधित करें।
- उर्वरक: 120 कि.ग्रा. नाइट्रोजन, 60 कि.ग्रा. फॉस्फोरस, 60 कि.ग्रा. पोटाश/हेक्टर

मसूर

- फली बनने पर हल्की सिंचाई करें।
- 70-80% फलियाँ सूखने पर कटाई करें, अधिक देर न करें।

चना

- 15% नमी होने पर कटाई करें।
- कटाई के बाद 4-5 दिन धूप में सुखाएं।
- फलीछेदक नियंत्रण: इंडोक्साकॉर्ब 0.02% या साइपरमैथरीन (25 ई.सी.) 125 मि.ली./हेक्टर छिड़काव करें।

राई-सरसों

- 75% फलियाँ सुनहरी होने पर कटाई करें।
- कटाई के बाद अधिक समय तक खलिहान में न रखें।

सब्जी फसलें

मिर्च

- उन्नत प्रजातियाँ: पूसा सदाबहार, अर्का लोहित, पंत सी-1, आदि।
- 400 मि.ली. मैलाथियान 50 ई.सी. को 250 लीटर पानी में मिलाकर छिड़काव करें।

भिंडी

- उन्नत प्रजातियाँ: पूसा ए-5, पूसा सावनी, अर्का अनामिका, आदि।
- बीज दर: 20-22 कि.ग्रा./हेक्टर, बुआई 20 फरवरी-15 मार्च तक।

खरबूजा

- खरबूजे के लिए बलुई दोमट और जीवांशयुक्त चिकनी मिट्टी (पी-एच 6.0-7.0) उपयुक्त होती है। बसंत-गर्मी की फसल की बुआई फरवरी-मार्च में करें। प्रति हेक्टेयर 90 कि.ग्रा. नाइट्रोजन, 70 कि.ग्रा. फॉस्फोरस और 60 कि.ग्रा. पोटाश देना लाभदायक है।

तरबूज

- तरबूज की खेती विभिन्न प्रकार की मृदा में की जाती है, लेकिन बलुई मृदा इसकी खेती के लिए उपयुक्त होती है। इसकी खेती के लिए 65 कि.ग्रा. नाइट्रोजन, 56 कि.ग्रा. फॉस्फोरस तथा 40 कि.ग्रा. पोटाश/हैक्टर की दर से अवश्य देना चाहिए।

खीरा

- खीरे की खेती के लिए बलुई दोमट या दोमट मृदा, जिसमें उचित जल निकास हो, सबसे उपयुक्त है। मृदा में अधिक कार्बन और पीएच 6.5-7.0 होना चाहिए। प्रति हेक्टेयर 80 कि.ग्रा. नाइट्रोजन, 60 कि.ग्रा. फॉस्फोरस, और 60 कि.ग्रा. पोटाश देना लाभदायक है।

आलू

- तैयार फसल की खुदाई पूरी करें और खेत अगली फसल के लिए तैयार करें।

प्याज

- निराई-गुड़ाई करें, 45 दिन बाद 72 कि.ग्रा. यूरिया/हेक्टर दें।
- रोग नियंत्रण: मैकोजेब 0.2% और कीट नियंत्रण के लिए साइपरमैथ्रिन/फॉस्फेमिडान छिड़काव करें।

बागवानी फसलें

आम

- भुनगा नियंत्रण: मोनोक्रोटोफॉस 1 मि.ली./लीटर पानी में छिड़काव।
- चूर्णिल आसिता रोकथाम: गंधक चूर्ण या डायानोकेप 1 मि.ली./लीटर छिड़काव।

अमरूद

- अमरूद में उकठा रोग नियंत्रण हेतु 30 ग्राम बाविस्टीन को 15 लीटर पानी में मिलाकर प्रति पौधा जड़ों में प्रयोग करें।

केला

- केले में 25 ग्राम नाइट्रोजन की मात्रा को पौधे से 40-50 सें.मी. दूर गोलाई में डालकर चारों तरफ निराई-गुड़ाई करके मृदा में मिला दें तथा सिंचाई करें।

अंगूर

- अनावश्यक पत्तियाँ हटाएँ, जिब्रेलिक एसिड 30-40 मि.ग्रा./लीटर छिड़काव करें।

आंवला

- आंवले के लिए कंचन, कृष्णा, नरेन्द्र आंवला-6, नरेन्द्र आंवला-7, नरेन्द्र आंवला 10 किस्में अनुशंसित की जाती हैं। बीज को बोने से 12 घंटे पहले पानी में भिगो देना चाहिए, जो बीज पानी में तैरने लगें उन बीजों को फेंक देना चाहिए।

लीची

- फलों की गिरावट रोकने हेतु प्लैनोफिक्स/बोरिक अम्ल का छिड़काव करें।

पपीता

- नर्सरी में स्वस्थ मिट्टी चुनें, बीजों को सही दूरी पर बोयें।

बेर

- बेर में फल मक्खी की रोकथाम के लिए मैलाथियॉन (50 ई.सी.) 200 मि.ली. को 200 लीटर पानी में घोलकर तथा उसमें 2 कि.ग्रा. गुड़ मिलाकर एक सप्ताह के अंतराल पर छिड़काव करें।

पुष्प व सुगंधीय पौधे

गुलाब

- छंटाई, निराई-गुड़ाई करें, 10 टन गोबर खाद/हेक्टर डालें।

रजनीगंधा व ग्लेडियोलस

- छंटाई, निराई-गुड़ाई करें, 10 टन गोबर खाद/हेक्टर डालें।
- कंदों की रोपाई 20-30 से.मी. दूरी पर करें।
- रोग नियंत्रण के लिए कैप्टॉन/मेटासिड-50 का छिड़काव करें।

International Year of Cooperatives

2025

Cooperatives Build a Better World

DID YOU KNOW?

Cooperatives are key to achieving the **Sustainable Development Goals** (SDGs) **by 2030!**

The International Year of Cooperatives 2025 highlights how cooperatives help overcome global challenges, drive sustainable development, and create a better world.

कृषक भारती कोआपरेटिव लिमिटेड

KRISHAK BHARATI COOPERATIVE LIMITED

कृभको भवन, ए-10, सैक्टर-1, नोएडा - 201301, जिला गौतमबुद्ध नगर (उ.प्र.)

KRIBHCO Bhawan, A-10, Sector-1, NOIDA - 201301, District Gautam Budh Nagar (U.P.)

Designed by Wide Reach Advertising